



# मेरा नौकर रामू

“मेरा नाम नीता मेहता है। मैं 26 वर्ष की खूबसूरत विवाहित महिला हूँ। जीवन में मुझे हर सुख मिला, मगर एक वो सुख नहीं मिल पाया, जो एक औरत चाहती है, शारीरिक सुख। मेरे पति एक बड़े बिज़नसमैन हैं, और बिज़नस के चलते वो हमेशा घर से बाहर ही रहते हैं। मेरे पास सुख साधन [...] ...”

Story By: neeta mehta (neetamehta)

Posted: Saturday, July 19th, 2014

Categories: [नौकर-नौकरानी](#)

Online version: [मेरा नौकर रामू](#)

# मेरा नौकर रामू

मेरा नाम नीता मेहता है। मैं 26 वर्ष की खूबसूरत विवाहित महिला हूँ।

जीवन में मुझे हर सुख मिला, मगर एक वो सुख नहीं मिल पाया, जो एक औरत चाहती है, शारीरिक सुख।

मेरे पति एक बड़े बिज़नसमैन हैं, और बिज़नस के चलते वो हमेशा घर से बाहर ही रहते हैं।

मेरे पास सुख साधन संपत्ति सब है, मगर जिस चीज़ को हमेशा अपने साथ चाहती हूँ, वो मेरे पास नहीं है, वो है मेरे पति... और उनका प्यार और सुख।

पिछले साल की बात है, मेरे पति जब घर आये थे, एक दिन रुके और पूरे दिन फोन पर लगे रहे और रात में मुझे बोले कि वो एक महीने के लिए लन्दन जा रहे हैं बिज़नस के सिलसिले में !

उस रात मैं फूट फूट कर रोई थी कि यह भी कोई रिश्ता है।

उनके घर से जाने के बाद मैंने खूब शराब पी, कि मेरी तबियत खराब हो गई।

मेरे नौकर रामू ने मुझे अस्पताल भर्ती कराया, इलाज़ के बाद मुझे घर ले आया और बहुत सेवा की। तबियत ठीक होने के बाद मैंने एक दिन उसे बुलाकर उसे धन्यवाद दिया।

रामू बोला- मेमसाब हम तो आपके मुलाजिम हैं, आपकी खातिरदारी हमारा धर्म है। हम अपनी गरीबी के चलते बीवी बच्चो से दूर हियाँ कमाई के लिए पड़े है और आप सब कुछ होते हुए भी अपने पति से दूर हैं। माफ करना मेमसाब ज्यादा बोल दिया, दू साल से आपन घरवाली से नहीं मिले हैं, बहुत याद आती है उसकी। मगर कमाएंगे नहीं तो घर नहीं चल पायी हमार।

मैंने उसे दो हज़ार रुपये दिए और कहा, जाओ अपने घर हो आओ.. तो वो बोला- नहीं मेमसाब, हम ई पैसा घर भेजूंगा कि हमरा घर चलता रहे। हम आपकी सेवा में यहीं रहेंगे। आपका बहुत धन्यवाद।

रामू की बातें मेरे दिल को छू गई, कि यह गरीब इंसान अपनी पत्नी को इतना प्यार करता है और एक मेरे पति हैं कि उन्हें मेरी याद भी नहीं आती। कितना तड़पता होगा वो यहाँ पर अपनी बीवी के बिना, ठीक वैसे ही जैसे मैं अपने पति के बगैर।

तभी मुझे एक बुरा खयाल आया कि हम दोनों एक दूसरे की तड़प भी तो शांत कर सकते हैं!

तब से मेरी नजरें उसके लिए बदल गई।

एक दिन वो घर में सफाई कर रहा था, उस समय वो उधारे बदन था, सिर्फ नीचे एक हाफ-पेंट पहन रखी थी। उसकी मांसल भुजायें और बदन को देख मुझे कुछ कुछ होने लगा।

मैंने ठान लिया रामू के साथ उसकी और अपनी दोनों की तड़प मिटा लूंगी।

उस रात रामू मेरे कमरे में आया और बोला – मेमसाब खाना लगा दें ?

मैंने कहा- रामू मेरा एक काम करोगे ?

रामू- बिलकुल करेंगे मेमसाब..

मैंने कहा- रामू, मेरी तबियत ठीक नहीं लग रही, थोडा तेल गर्म कर लाओ, मेरे हाथ पैर दबा दोगे ?

रामू- ठीक मेमसाब, हम तेल गर्म कर लाते हैं..

मैं उस समय गाउन पहने थी, मैं बिस्तर पर लेट गई।

रामू 5 मिनट में तेल गरमा कर कमरे में आ गया और वहीं खड़ा हो गया।

मैंने अपना गाउन जाँघों तक उठा दिया और कहा- रामू, मेरे पैर तेल लगा कर मालिश कर दो।

रामू 'जी! मेमसाब' कह कर मेरे पैर पर तेल की मालिश करने लगा।

मैंने जानबूझकर अपना गाउन कमर तक उठा दिया था, ताकि रामू को अपने जलवे दिखा सकूँ।

रामू मेरे पैरों की मालिश करते हुए मेरी जाँघों के जोड़ को घूर रहा था, जहाँ मेरी पैटी ने मेरी दौलत को छिपा रखा था।

रामू की उँगलियों की पकड़ मेरी जाँघों पर पहले से तेज हो गई।

फिर मैं पलट गई और बोली- रामू! अब मेरा गाउन उठा दो, और मेरी पीठ की मालिश कर दो, बहुत दर्द हो रहा है।

रामू ने मेरा गाउन पीठ से उठा कर पीठ की मालिश चालू कर दी। मैंने दीवार पर लगे शीशे में देख लिया कि अब वो मेरी पैटी से ढके मेरे चूतड़ों की उठान और पीठ से चपके मेरी ब्रा के स्ट्रेप को घूर रहा था।

मैंने जानबूझ कर फेंसी ब्रा और पैटी अंदर पहन रखी थी, कि उसकी मर्दानगी को जगी सकूँ...

मैंने कहा- रामू! मेरी ब्रा का हुक खोल दे, फिर पीठ पर ठीक से मसाज कर...

कांपते हाथों से उसने मेरी ब्रा का हुक खोल दिया और पीठ को सहलाने लगा।

उसके हाथ काँप रहे थे।

थोड़ी देर बाद मैं पलट के सीधी हो गई, मैंने खुद ही अपना गाउन निकाल दिया और चित लेट गई और बोली- रामू! अब मेरी चूचियों की मालिश करो...

रामू- मेमसाब! क्या कह रही हैं?

मैंने कहा- मेरी चूचियों की मालिश कर दो...

रामू काँप रहा था और हिचकिचा रहा था। मैंने उसके दोनों हाथ पकड़ कर अपने स्तनों पर रख दिए और बोला- रामू! डरो मत! इनकी मालिश करके देखो, कैसा लगता है तुम्हें?

बोलो अच्छा लग रहा है ना ?

रामू कांपते हुए हाथों से मेरे स्तन दबाने लगा। वो हिचकिचा रहा था, मगर उसकी हाफपेंट में उसके लिंग की उठान देख के मैं उसके मन की इच्छा जान गई थी।

मैंने रामू से कहा- रामू, मैं अपने पति से सुख नहीं पा रही और तुम अपनी पत्नी का सुख नहीं पा रहे। तो क्यों न हम दोनों एक दूसरे को वो सुख दे दें, जिसके लिए हम दोनों तड़प रहे हैं। मना मत करना रामू, वरना मैं जी नहीं पाऊँगी। यूँ समझ लो आज की रात मैं ही तुम्हारी घरवाली हूँ और तुम्हारा मुझ पर पूरा अधिकार है..

इतना कहकर मैंने उसके उत्तेजित लिंग को हाफपेंट से बाहर निकाल के पकड़ लिया और तुरंत मुँह में ले लिया। रामू का लिंग मेरे मुँह में जाते ही फूल गया, कि उसका सुपारा लाल हो गया।

मैंने धीरे से उसकी पैंट की बटन खोल के उतार दिया। अब मैं उसके पूरे लिंग को चूस रही थी।

रामू का लिंग इतना बड़ा था कि एक बार में बस एक तिहाई लिंग ही मैं मुँह में ले पा रही थी।

मैंने उसके अंडकोष को सहलाया फिर उन्हें भी चूमते हुए खूब चूसा।

रामू जब उत्तेजित हो गया तो उसने मेरा सर पकड़ लिया और वो मेरे मुँह में ही झटके लगाने लगा।

मुझे खांसी आने लगी तो मैंने उसका लिंग अपने मुँह से बाहर निकाल दिया और कहा- धीरे धीरे करो !

उसने हामी में सर हिलाया तो मैंने फिर से रामू का लिंग मुँह में ले लिया। पहले तो उसने धीरे धीरे लिंग को मेरे मुँह में अंदर बाहर करते हुए लिंग चुसवाने का मजा लिया, फिर

दुबारा वो पहले की तरह मेरा सर पकड़ के मेरे मुंह में जोर जोर से अपना लिंग घुसाने लगा तो मैंने उसके हाथ पकड़ लिए ।

वो लिंग मेरे मुंह से नहीं निकाल रहा था, मैंने जोर लगा कर अपना सर पीछे किया और किसी तरह उसका लिंग मुंह से निकाल कर जोर की सांस ली ।

जी में उस पार गुस्सा बहुत आया, मगर कुछ कहा नहीं, क्योंकि अभी अपनी गरज थी । मैंने कहा- तुम तो जालिम हो जाते हो, दम घुट जाता मेरा तो ?

रामू बोला- माफ कर देना मेमसाब ! हमसे रुका नहीं गया ।

मैंने कहा- वो दूसरी जगह है, जहाँ रुका नहीं जाता !

रामू बोला- मेमसाब हम समझे नाही !

मैंने कहा- तू भी न ! देखेगा ?

रामू बोला- जी मेमसाब !

मैंने धीरे से अपनी फैसी पैटी उतार के अपनी टाँगे फैला कर उसे बोला- लो जी भर के देखो !

रामू मेरी योनि को आँखे फाड़ फाड़ के देख रहा था । उसकी शकल देख के ऐसा लगा जैसे वो आश्चर्यचकित हो गया ।

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

रामू बोला- मैडम आपकी चूत इतनी गोरी कैसे है ?

‘चूत’ सुनकर मुझे अजीब लगा, खैर ! मैंने पूछा- क्यों ! अच्छी नहीं है ?

रामू बोला- नहीं मेमसाब, बहुत प्यारी है । हम आज तक किसी की इतनी गोरी चूत नहीं देखे । बहुत सुन्दर है ।

मैंने उसे और उत्तेजित करने के लिए उसका लिंग पकड़ के कहा- खाक सुन्दर है ! हम तुम्हारे ‘इसके’ लिए इसे इतना सजा संवार के रखे और ये है कि दूर दूर भाग रहा ।

साला देहाती खुशी के मारे बौरा गया, उसकी आँखों और मुंह से लार टपकने लगी और

बोला- मेमसाब ! आप हमारे लंड खातिर आपन चूत संवार के रखी थी ?  
मैं बिस्तर पर चित लेट गई और मैंने उसे और उत्तेजित करने के लिए अपने ऊपर लिटा लिया, फिर अपनी टांग फैलाते हुए कहा- और क्या ? एक तुम हो कि देर कर रहे हो, क्यों नहीं मिलवा देते इन्हें ? डालो न इसे ?  
इतना कह कर मैंने उसके लिंग मुंड अपनी योनिमुख से सटा दिया । उस देहाती ने इतनी जोर का थाप मारा कि एक बार मैं ही आधा लिंग मेरी योनि के अंदर घुस गया ।

मुझे बहुत दर्द हुआ कि मैं कराह उठी । वो साला सोचा कि मुझे मजा आ रहा है, और देखते ही देखते वो मेरी योनि पर पिल पड़ा ।

मैंने अपनी टांगों से उसकी कमर को जकड़ लिया ताकि वो और झटके न मार पाए । लेकिन वो झटका मारना चालू रखे रहा । उसका लिंग बहुत बड़ा था, जैसे अंगरेजी ब्लू फिल्मों में होते हैं, पहले ही झटके में जैसे उसका लिंग मेरी बच्चेदानी पर टकरा रहा था ।  
मैंने कराहते हुए कहा- रामू ! धीरे धीरे कर, मुझे बहुत दर्द हो रहा है ।  
रामू बोला- माफ कर देना, मेमसाब ! हम धीरे धीरे करते हैं ।  
वो मेरे ऊपर चित लेट कर धीरे धीरे लिंग को मेरी योनि में अंदर बाहर करने लगा । मुझमे अब उत्तेजना संचार होने लगी ।

मेरी योनि की दीवारें रस छोड़ने लगी, जिसमे भीग कर रामू का लिंग आराम से अंदर बाहर जा रहा था ।

रामू बीच बीच में अपना लिंग बाहर निकाल कर फिर से योनि में डाल देता, तब मैं उत्तेजना से सराबोर हो जाती थी, क्योंकि हर बार उसका मोटा लिंग मुंड मेरी योनि के संकरे द्वार को फैलाकर कर भगशिशन को रगड़ते हुए अंदर जाता था ।

कसम से, वो मंजर बहुत ही उत्तेजक लगता था । मैंने अपने होठों को रामू के होठों से

चिपका के पहले खूब किस किया, फिर अपनी जीभ उसके मुंह में दे दी।

रामू ने भी मेरे होठों का खूब रसपान किया।

फिर रामू मेरी गर्दन को, कानों को और गर्दन को चूमते हुए मेरे स्तनों तक आ गया। मैंने खुद अपने बांया निप्पल उसके मुंह में दे दिया।

पहले रामू ने मेरे निप्पल को हलके हलके काटा, फिर जोर जोर से चूसने लगा। उसकी हरकत से मेरे बदन में आग गई, उत्तेजना अधिक होने पर मैं अपना निप्पल उसके मुंह से छुड़ाने लगी, तो रामू ने निप्पल को छोड़कर दूसरे निप्पल को मुंह में भर लिया।

मैंने उसका सर पकड़ कर इस निप्पल को भी छुड़ाने की चेष्टा की, तो रामू ने निप्पल को छोड़कर अपने दोनों हाथों से मेरे स्तनों को कसकर पकड़ लिया और भींचने लगा।

मुझे उसका मेरे स्तनों से खेलना आनंददायी लगा। स्तनों में अजब सी सुरसुरी मच रही थी। वो जितनी जोर से उन्हें दबाता, मुझे उतना सुख मिलता।

रामू ने झटकों की गति बढ़ा दी। मेरी साँसें तेज होने लगीं और मेरा जिस्म भी गरम होने लगा।

मेरी योनि इतनी गीली और उत्तेजित हो चुकी थी कि अब वो रामू का पूरा लिंग अंदर ले पाने में समर्थ थी। रामू के लिंग के हर झटके के साथ योनिमुख छल्ले के तरह अकड़ जाता था, फिर उसका लिंग योनि की दीवारों को रगड़ते हुए अंदर दाखिल होता था।

मेरी योनि अब और झटके नहीं झेल पाई, देखते ही देखते मेरे अंदर रिसाव होने लगा।

मैं स्वलित हो रही थी, सच में यह पल मेरी जिंदगी का पहला चरम आनंद का पल था। वो अजीब सा मीठा दर्द था।

मेरी सिसकारियों से कमरा गूँज उठा। कुछ ही पलों में मैं निढाल हो गई।

रामू अभी भी मेरी योनि में जोर जोर सी लिंग को घुसा रहा था।

वो भी अब काफी तेज तेज सांस ले रहा था, मैं स्वलित होते हुए भी उसे साथ दे रही थी ताकि वो भी चरम आनंद पा जाए।

मैंने उसके होठों को अपने होठों से चिपका लिया और अपनी टांगों को फैला दिया। तभी उसका जिस्म कांपने लगा और दो तीन जोरदार झटके मारने के बाद उसने अपना लिंग कसके मेरी योनि में डाल दिया और रुक गया।

उसके लिंग से निकले गरम गरम स्राव को मैं अपनी योनि में महसूस कर रही थी। यह भी अत्यंत सुखदायी अनुभव था।

रामू मेरे ऊपर ही थका हुआ निढाल हो गया। मैंने प्यार से उसके सिर को अपने सीने से लगा लिया और उसके बालों में उंगलियां फिराने लगी। वो पसीने में लथपथ गहरी साँसें लेते हुए सुस्ता रहा था।

मैंने धीरे से उसे चूमा और पूछा- रामू! कैसा लगा।

रामू- मेमसाब, बहुत प्यारा था। आपको कैसा लगा ?

मैंने कहा- तुमने दिल जीत लिया मुझे संतुष्ट करके।

थोड़ी देर बाद मैंने रामू से कहा- रामू, बाथरूम से तौलिया ला दो।

रामू 'जी, मेमसाब' कहकर मेरे ऊपर से उठा, जब उसका लिंग मेरी योनि से निकला तो वो वीर्य में सना था, लिंग के निकलते ही उसका वीर्य और मेरी योनि का स्राव रिसकर मेरी गुदा की घाटी से होता हुआ बिस्तर पर गिर गया।

रामू दौड़ कर तौलिया उठा लाया। मैंने पहले अपनी योनि को पोंछा और फिर तौलिये को योनि मुख पर दबा लिया।

मैं अभी भी उसके लिंग को देख रही थी। मैंने उसके लिंग को मुंह में लेकर चूसा और उस पर लगे वीर्य को साफ़ कर दिया।

फिर मैं रामू को अपने बगल में लिटाकर उसके सीने पर सिर रखकर सो गई।

अब अगले दिन सुबह फिर से प्यार का वही सिलसिला जारी हो जाता है.... उसकी कहानी फिर आपको प्रेषित करूंगी।

मेरी कहानी कैसी लगी आप सबको ... जरूर बताइयेगा।

## Other stories you may be interested in

### अमीर औरत की जिस्म की आग

दोस्तो ! मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

### भाभी के साथ मजेदार सेक्स कहानी-1

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम इंद्रवीर है, मैं पंजाब का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना शायद तब से पढ़ता आ रहा हूँ, जब से मेरे लंड ने होश संभाला है. वो जैसे कहते हैं बूँद-बूँद से सागर बन जाता है, वैसे [...]

[Full Story >>>](#)

### मौसैरे भाई बहन के साथ श्रीसम सेक्स-1

दोस्तो, मैं मोनिका मान हिमाचल की रहने वाली हूँ. मेरी पिछली कहानी भाई की दीवानी पढ़ कर कुछ अन्तर्वासना के पाठकों ने मुझे नया नाम चुलबुली मोनी दिया है, जो मेरे ऊपर सही जंचता है. मेरी पिछली कहानियों के लिए [...]

[Full Story >>>](#)

### ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे [...]

[Full Story >>>](#)

### बहन बनी सेक्स गुलाम-5

दोस्तो, मेरी इस सेक्स कहानी को आप लोगों का बहुत प्यार मिला. मैं फिर से आपका सबका धन्यवाद करना चाहता हूँ और नए अंक के प्रकाशन में देरी के लिए क्षमा चाहता हूँ. कहानी थोड़ी लंबी हो रही है क्योंकि [...]

[Full Story >>>](#)

